

अग्नि-4 मिसाइल

स्रोत: पी.आई.बी

अग्नि-4 मिसाइल को ओडिशा के चाँदीपुर स्थिति एकीकृत परीक्षण रेंज से सफलतापूर्वक परक्षेपित किया गया।

- इस परक्षेपण ने सभी परचालन और तकनीकी मापदंडों को सफलतापूर्वक सत्यापित किया। यह परक्षेपण सामरिक बल कमान (SFC) के तत्वावधान में आयोजित किया गया था।
- अग्नि-4 DRDO द्वारा वकिसति मध्यम से अंतरमहाद्वीपीय दूरी की बैलस्टिक मिसाइलों की अग्नि शृंखला में चौथी मिसाइल है।
 - यह नाम संस्कृत शब्द 'अग्नि' से आया है जिसका अर्थ है 'आग' और यह प्रकृति के पाँच तत्त्वों में से एक का प्रतिनिधित्व करता है।
- अग्नि-4 एक मध्यम दूरी की बैलस्टिक और सतह से सतह पर मार करने वाली मिसाइल है, जिसे ज़मीन या समुद्र से परक्षेपित करके ज़मीन या समुद्र पर स्थिति लक्ष्यों को भेदने के लिये डिज़ाइन किया गया है।
- अग्नि-4 मिसाइल की मारक क्षमता 4,000 किलोमीटर है, इसकी लंबाई 20 मीटर है तथा यह 1,000 किलोग्राम का पेलोड ले जा सकती है।
- SFC भारत के परमाणु कमान प्राधिकरण (NCA) का हस्तिा है। यह देश के सामरिक और रणनीतिक परमाणु हथियारों के भंडार के प्रबंधन व प्रशासन के लिये ज़िम्मेदार है।
 - NCA दो भागों से बना है: प्रधानमंत्री की अध्यक्षता वाली राजनीतिक परिषद, जो परमाणु हथियारों का उपयोग करने का अधिकार रखने वाली एकमात्र संस्था है तथा राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार की अध्यक्षता वाली कार्यकारी परिषद, जो निर्णय लेने के लिये सुझाव प्रदान करती है तथा राजनीतिक परिषद के निर्देशों का क्रियान्वयन करती है।

और पढ़ें: मल्टीपल इंडिपेंडेंटली टारगेटेबल री-एंट्री वहीकल टेक्नोलॉजी